एस०एम०एस० में एम०बी०ए० पाठ्यक्रम के लिए तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

- **मल्टी टास्किंग पेशेवरों की बढ़ी वैश्विक माँग : प्रेम सिंह**
- **ओरिएन्टेशन कार्यक्रम में नव–प्रवेशी विद्यार्थियों ने लिया बढ़–चढ़ कर हिस्सा**

वाराणसी, 8 सितंबर : स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में संचालित एम०बी०ए० पाठ्यक्रम के नए सत्र (2023–2025) की शुरुआत तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के साथ हुई। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो० पी० एन० झा ने कहा कि आज बदलते वैश्विक परिवेश में शिक्षा, प्रबंधन और तकनीकी के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं ऐसे में विद्यार्थियों के लिए जरूरी है कि वे खुद को इन बदलावों से अपडेट रखें। प्रो० झा ने एस०एम०एस० में प्रबंधन और तकनीकी शिक्षा में स्थापित उच्चतम मानदंडों का जिक्र करते हुए कहा कि संस्थान ने एजुकेशन 4.0 के दौर में विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए अनेक स्रोतों को विकसित किया है। इस अवसर पर उन्होंने नवागंतुक विद्यार्थियों से आह्वान किया कि आप सभी प्रबंधन के गुण सीखने के साथ साथ इन गुणों का समाज हित में भी उपयोग करें। उदघाटन सत्र में जे० के० आर्गेनाइजेशन के प्रमुख (मानव संसाधन) श्री प्रेम सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। नवागंतुक विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि प्रबंधन के क्षेत्र में पेशेवरों की मांग हमेशा रही है। लेकिन आज पेशेवर होने के साथ साथ मल्टीटास्किंग युवा पेशेवरों को विश्व भर में कई बड़े संगठन तरजीह दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि ए० आई० जैसी नई उन्नत तकनीक ने प्रबंधन को नया आयाम दिया है। ए० आई० की मदद से थ्री डी प्रिंटिंग, मॉडल जनरेशन, अन्य एप्लीकेशन को विकसित करने जैसे काम

बहुत कम समय में किया जा सकता है। यह विधा न केवल समय की बचत कराती है अपितु यूजर फ्रेंडली भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से नई तकनीक से अद्यतन रहने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज के जनरल मैनेजर श्री हिमांशु कुमार ने प्रबंधन के विद्यार्थियों को स्व–प्रबंधन पर जोर देने की अपील करते हुए कहा कि प्रबंधन के गुणों को अपनी जीवन शैली का अभिन्न अंग बनाकर ही अच्छा प्रशासक या नेतृत्वकर्ता बना जा सकता है। अन्य विशिष्ट अतिथि प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के महाप्रबंधक श्री संजय रामदास काम्बेकर ने प्रबंधन के क्षेत्र में समय की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता प्रबंधन के प्रमुख गुणों में से एक है। इसलिए भावी प्रबंधन लीडर्स के लिए त्वरित लेकिन अनुकूल डिसीजन मेकिंग क्षमता को विकसित करना अपरिहार्य है।

इस अवसर पर श्री पद्मनाभन एस. उपाध्यक्ष (आई.टी.), उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने बतौर विशिष्ट अतिथि भावी प्रबंधकों को उद्देश्यपरकता, धैर्य और उत्साह के समन्वय का मूल मन्त्र दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार की प्रतिस्पर्धा में आज भारत की स्थिति अन्य विकसित देशों की तुलना में कहीं अधिक मजबूत है, इसके मूल में उद्देश्यपूर्ण डिमांड और सप्लाई का समन्वय ही है। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के एक और विशिष्ट अतिथि डालमिया समूह के हिप्पो स्टोर्स के प्रमुख (मानव संसाधन) श्री देव मणि पांडेय ने नवागंतुक विद्यार्थियों को भविष्य की तैयारियों से अवगत कराते हुए कहा कि स्टार्ट अप जैसी उपयोगी योजना के क्रियान्वयन से रोजगार के अनेक संसाधन आज उपलब्ध हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रबंधन के विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि नए रचनात्मक योजनाओं के साथ वे आगे आएं और स्व–रोजगार उद्यम से देश के विकास में रचनात्मक योगदान दें।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में अतिथियों व नवागंतुक विद्यार्थियों को एस०एम०एस० वाराणसी की प्रस्तावना से श्री कार्तिकेय सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर ने अवगत करवाया। एम०बी०ए० पाठ्यक्रम से प्रो० संदीप सिंह, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन और जनसंचार विभाग ने परिचय कराया। उदघाटन सत्र का संचालन प्रो० पल्लवी पाठक व धन्यवाद ज्ञापन प्रो० अमिताभ पांडेय ने किया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के पहले दिन के अन्य दो सत्रों को क्रमशः डॉ० भावना सिंह व डॉ० अंजना सिंह ने संचालित किया। इस अवसर पर एस०एम०एस० वाराणसी के अधिशासी सचिव डॉ० एम० पी० सिंह, निदेशक प्रो० पी० एन० झा, कुलसचिव श्री संजय गुप्ता, प्रो० संजय सक्सेना सहित समस्त शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।